Inspira- Journal of Modern Management & Entrepreneurship (JMME)
ISSN : 2231–167X, General Impact Factor : 2.3982, Volume 07, No. 04, October, 2017, pp. 333-342

मोबाइल बैंकिंग–डिजिटल इंडिया का डिजिटलाइजेशन

डॉ. दुष्यन्त देव राजपूत*

सारांश

मोबाइल बैंकिंग एक बैंक या अन्य वित्तीय संस्था द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवा है जो अपने ग्राहकों को मोबाइल डिवाइस जैसे स्मार्टफोन या टैबलेट का उपयोग करके घर से दूर रहकर भी आप अपने खाते के शेष (बैलेंस) की पूछताछ कर सकते हैं और अपने प्रियजनों को धन भेज सकते हैं और किसी भी समय बिलों का भुगतान कर सकते हैं। मोबाइल बैंकिंग आमतौर पर 24 घंटे के आधार पर उपलब्ध होती है। मोबाइल बैंकिंग के माध्यम से लेनदेन में खाते के संतुलन और नवीनतम लेनदेन की सूची, इलेक्ट्रॉनिक बिल भुगतान, और किसी ग्राहक या दूसरे खातों के बीच निधि स्थानांतरण शामिल हो सकते हैं।मोबाइल बैंकिंगबैंकों की गैर-नकद निकासी और जमा लेनदेन के लिए ग्राहकों की जरूरतों को कम करके लेनदेन को संभालने की लागत को कम कर देता है।मोबाइल बैंकिंग मोबाइल भुगतान से अलग है, जिसमें मोबाइल डिवाइस के उपयोग से या तो बिक्री या दूर के स्थान पर माल या सेवाओं के लिए भुगतान करना शामिल है। रिजर्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार 5 सितंबर 2017 तक 315 बैंकों को मोबाइल बैंकिंग की सुविधा देने का अधिकार है

परिचय

मोबाइल बैंकिंग आज बैंकिंग व्यवस्था का प्रमुख अंग हो गया है। बैंकिंग के क्षेत्र में यह मील का पत्थर है। ग्राहकों को कहीं भी, कभी भी बैंकिंग और व्यवसाय के लिए एक सुरक्षित व सुविधाजनक माध्यम मिल गया है। मोबाइल बैंकिंग पैसों के भुगतान करने का एक सुरक्षित माध्यम है क्योंकि डैबिट कार्ड नंबर या पिन जैसी जानकारी के कारण यह ग्राहकों को जोखिम में नहीं डालता है। मोबाइल बैंकिंग से बहुत सारी बैंक सेवाएं सुरक्षित तरह से मिल जाती हैं। फंड ट्रांसफर से ले कर बहुत सारे लेनदेन इस के जरिए सुलभ तरीके से होने लगे हैं। खाते में बची शेष राशि की और मिनी स्टेटमैंट से ले कर पासवर्ड व अकाउंट संबंधी तमाम जानकारियां मोबाइल से ही मिल जाती हैं। बैंकिंग की शुद्ध सेवाओं के साथ ही साथ मोबाइल रिचार्ज, हवाई जहाज के टिकट बुक कराना, बिल का भुगतान करना,चैकबुक का अनुरोध करना, चैक भुगतान रोकने जैसी तमाम सुविधाएं भी इस के जरिए हासिल की जा सकती हैं। मोबाइल बैंकिंग उन ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए भी सक्षम बनती जा रही है जिन के पास निम्न स्तर के या जावा रहित हैंडसैट हैं। काफी सेवाएं एसएमएस आधारित

* M.Com, MBA(HRM), Ph.d (Commerce), Village+Post- Muskara, Hamirpur, U.P., India.

मोबाइल बैंकिंग सेवा द्वारा भी प्रदान की जातीहै,आप अपने बैंक खाते को मोबाइल नंबर से जोड़ सकते हैं इस के तहत, बैंक आप को 7 अंकों वाला एमएमआईडी (मोबाइल मनी आईडैंटिफायर) नंबर और मोबाइल पिन (एमपिन) देगा. एमपिन पासवर्ड की तरह इस्तेमाल होगा। इस के जरिए आप अपनी पूंजी को दूसरे खाते में ट्रांसफर कर सकते हैं, जैसे कि अभी दूसरे खाते में राशि का ट्रांसफर नैट बैंकिंग या बैंक शाखा जा कर करते हैं। इस के अलावा, बैंक अपने मोबाइल एप्लीकेशन सौफ्टवेयर भी देते हैं जिसे आप बैंक को एसएमएस या बैंक जा कर अपने स्मार्टफोन पर डाउनलोड कर सकते हैं।

बैंकों ने अलग-अलग नामों से अपनी मोबाइल बैंकिंग सेवा भी शुरू कर दी है। भारतीय स्टेट बैंक का एप्लीकेशन एसबीआई फ्रीडम, आईडीबीआई बैंक की गो मोबाइल, और आसीआईसीआई बैंक का आईमोबाइल नाम से है। इसी तरह से दूसरे तमाम बैंकों की मोबाइल सर्विस के अलग-अलग नाम हैं। ऐसे ग्राहकजो नैटबैंकिंग का इस्तेमाल लैपटौप या डैस्कटौप आदि के जरिए करते हैं, बैंक उन्हें मोबाइल बैंकिंग के लिए खुद ही पंजीकृत कर लेते हैं यानी, ग्राहक अपने स्मार्टफोन पर इंटरनैट के जरिए बैंकिंग सेवाएं प्राप्त कर सकता है।

मोबाइल बैंकिंग को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुचाने के लिए बैंक मौजूदा ग्राहकों को चुनिंदा एटीएम के जरिए भी रजिस्ट्रेशन की सुविधा दे रहे हैं। इस के अलावा, ग्राहक बैंक की शाखा में जा कर अपने पहचान पत्र के साथ मोबाइल बैंकिंग के लिए रजिस्ट्रेशन भी करा सकते हैं। मोबाइल बैंकिंग का भी दायरा बढ़ा है बिना बैंकगए और कोई लिखत-पढ़त किए बगैर घर बैठे मोबाइल के जरिए बैंकिंग की सहूलियत ने इसे काफी तेजी से लोकप्रिय बनाया है।

मोबाइल बैंक सेवा जावा-युक्त/एंडरॉयड मोबाइल फोन (जीपीआरएस सहित अथवा रहित) पर उपलब्ध है जहॉ यूज़र को अपने मोबाइल हैंडसेट पर ऐप्लिकेशन डाउनलोड करना आवश्यक है । सेवा को जीपीआरएस कनेक्शन सहित सभी फोनों (जावा युक्त/जावा रहित) पर वेप (WAP) के माध्यम से भी प्राप्त किया जा सकता है ।

मोबाइल बैंकिंग के उद्देश्य

1. मोबाइल बैंकिंग बैंक के भार को कम करता है,
2. मोबाइल बैंकिंग से बैंक की पूंजी नगद भुगतान नहीं होती हस्तांतरित होती है इसलिए नगदी रखने से छुटकारा मिल जाता है,
3. बैंक आपकी जेब में होता है जिसका उपयोग 24/7 कभी भी कर सकते हैं और नियमानुसार जानकारी प्राप्त कर सकते हैं,
4. मोबाइल से पैसा ट्रांसफर करना,मोबाइल बैंकिंगसेपिछले पांच लेन-देन के विवरणप्राप्त करना, एकाउंट में बकाया राशि की पूछताछ, मोबाइल टॉपअप, डीटीएच टॉपअप व रिचार्ज की सुविधा उपलब्ध है।

मोबाइल बैंकिंग सेवा के महत्वपूर्ण एप्लीकेशननिम्नलिखित हैं:

1. WAP (वायरलेस ऐप्लिकेान प्रोटोकॉल)पर मोबाइल बैंकिंग सेवा

यह सेवा जावा-युक्त /एंडरॉयड मोबाइल फोन (जीपीआरएस सहित अथवा रहित) पर उपलब्ध है जहॉ यूज़र को अपने मोबाइल हैंडसेट पर ऐप्लिकेशन डाउनलोड करना आवश्यक है । सेवा को जीपीआरएस कनेक्शन सहित सभी फोनों (जावा युक्त/जावा रहित) पर वेप (WAP) के माध्यम से भी प्राप्त किया जा सकता है।इसमें निम्नलिखित कार्यक्षमताएं उपलब्ध है: पूछताछ सेवाएं (शेष पूछताछ/लघु खाता विवरणी)

- चैक बुक अनुरोध
- डिमैट पूछताछ सेवा
- बिलों का भुगतान (उपयोगिता बिलों, क्रेडिट कार्ड्स, बीमा प्रीमियम), दान, अंशदान ।
- मोबाइल टॉप अप
- एम कॉमर्ससर्विस (टाटा स्काई , बिग टीवी, सन डायरेक्ट, डिश टीवी, डिजिटल टीवी का टॉप अप और विडियोकॉन डी2एच कनेक्शन, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस प्रीमिमय)

नियम

- वैयक्तिक खण्ड में सभी चालू/बचत बैंक खाता धारक पात्र हैं ।
- सभी ग्राहक इस सेवा का लाभ उठा सकते हैं चाहे उनका टेलीकॉम सेवा प्रदाता कोई भी हो ।
- यह सेवा नि:शुल्क है । एसएमएस/जीपीआरएस लागत ग्राहकों द्वारा वहन किया जाएगा ।

2. SMS (शार्ट मैसेजिंग सर्विस) पर मोबाइल बैंकिंग सेवा

यह सेवा जीपीआरएस कनेक्शन सहित अथवा रहित सभी फोन (जावा-युक्त/जावा रहित) पर उपलब्ध है। एप्लिकेशन डाउनलोड करने की आवश्यकता नहीं है । साधारण एसएमएस प्रभार लागू हैं।इसमें निम्नलिखित कार्यक्षमताएं उपलब्ध है:

- पूछताछ सेवाएं (शेष पूछताछ/लघु खाता विवरणी)
- मोबाइल टॉप अप
- डीटीएच टॉप अप/रिचार्ज
- आईपीएस - मोबाइल से मोबाइल अंतरण
- एम पिन परिवर्तन

नियम

- वैयक्तिक खण्ड में सभी चालू/बचत बैंक खाता धारक पात्र हैं ।
- सभी ग्राहक इस सेवा का लाभ उठा सकते हैं चाहे उनका टेलीकॉम सेवा प्रदाता कोई भी हो ।
- यह सेवा निशुल्क है। एसएमएस/जीपीआरएस लागत ग्राहकों द्वारा वहन किया जाएगा ।

3. USSD (असंरचनात्मक पूरक सेवा डाटा) पर मोबाइल बैंकिंग सेवा

यह सेवा जीपीआरएस कनेक्शन सहित अथवा रहित सभी फोन (जावा-युक्त/जावा रहित) पर उपलब्ध है। एप्लिकेशन डाउनलोड करने की आवश्यकता नहीं है। इसमें निम्नलिखित कार्यक्षमताएं उपलब्ध है:

- पूछताछ सेवाएं (शेष पूछताछ/लघु खाता विवरणी)
- मोबाइल टॉप अप
- निधि अंतरण (बैंक के भीतर)

नियम

- व्यक्तिक खण्ड में सभी चालू/बचत बैंक खाता धारक पात्र हैं ।
- यह सेवा कुछ चयनित टेलकॉम आपरेटरों के ग्राहकों को ही उपलब्धहैं ।
- यह सेवा निशुल्क है । यूएसएस सत्र प्रभार ग्राहक द्वारा वहन किया जाएगा ।
- सेवा सत्र आधारित है और निर्धारित समय के भीतर यूजर की ओर से जवाब आवश्यक है।

भारत में 500 और 1000 के नोट बंद होने और 500 और 2000 के नए नोट जारी होने के बाद तो डिजिटल बैंकिंग, ई-बैंकिंग, कार्ड पेमेंट इत्यादि का चलन 100 गुना तक बढ़ गया हैहालाँकि बंकों के आगे नोट बदलवाने के लिए लंबी क़तारें लगी है,लेकिन यदि आप चाहें तो बहुत बैंकिंग कार्य अपने मोबाइल के माध्यम से ही कर सकते है।

4. UPI (यूनिफाईड पेमेंट इंटरफ़ेस)

यूपीआई एक भुगतान प्रणाली है जो दो बैंक खातों के बीच फंड हस्तांतरण की सुविधा देता है। यह भुगतान प्रणाली मोबाइल प्लेटफॉर्म पर काम करती है। यूपीआई ऐप के माध्यम से पैसे भेजना एक संदेश भेजने के रूप में आसान है आपको यूपीआई पेमेंट सिस्टम के माध्यम से फंड ट्रांसफर के लिए बैंक खाता विवरण देने की आवश्यकता नहीं है। यूपीआई सभी डिजिटल भुगतानों के बीच सबसे उन्नत पद्धति में से एक है।

- यूपीआई फंड को तुरंत स्थानांतरित करता है छुट्टी या काम के घंटे का कोई प्रतिबंध नहीं। बैंक स्ट्राइक भी यूपीआई भुगतान पर असर नहीं करेगा।
- आपको प्राप्तकर्ता के बैंक खाता नंबर और आईएफएससी कोड की आवश्यकता नहीं है।
- आप एक यूपीआई एप के माध्यम से कई बैंक अकाउंट से ट्रांसएक्ट कर सकते हैं।
- आपको नए भुगतानकर्ता को धन भेजने के लिए 24 घंटे तक इंतजार करने की आवश्यकता नहीं है। किसी को भी तुरंत पैसा मिलेगा
- ग्राहक बिल स्वीकार करने के बाद आप बिल भेज सकते हैं और पैसा कमा सकते हैं।
- डिलीवरी लड़के को नकद भुगतान किए बिना आप डिलिवरी पर नकद का उपयोग कर सकते हैं। बस बिल को स्वीकृति दें और डिलीवरी लड़के को पुष्टिकरण मिलेगा।

यूपीआई ने फंड ट्रांसफर को बहुत आसान बना दिया है लेकिन यह मोबाइल वॉलेट नहीं है। मोबाइल वॉलेट के विपरीत, आपको यूपीआई एप में पैसा जमा करने की आवश्यकता नहीं है।इसलिए, आपके और आपके खाते के बीच की कड़ी को स्थापित करने के लिए, आपको यूपीआई ऐप को अपने बैंक खाते से जोड़ना होगा। यह एक बार की प्रक्रिया है यह तब किया जाता है जब आप एक नया UPI ऐप डाउनलोड करते हैं यूपीआई भुगतान प्रणाली आपको कई बैंक खाते को एक वीपीए से जुड़ने की स्वतंत्रता देती है वास्तव में, आप अपने सभी बैंक खाते को एक UPI ऐप में जोड़ सकते हैं।हालांकि, BHIM ऐप, एक समय में केवल एक खाता जोड़ता है।

बैंक खाते से कनेक्ट करते समय, आपको कार्ड विवरण और ओटीपी के द्वारा प्रमाणित करना होगा।एक बार, आपका यूपीआई ऐप किसी बैंक खाते से जुड़ा हो, आप आसानी से किसी भी व्यक्ति को फंड ट्रांसफर कर सकते हैं।

MPIN क्या है?

MPIN एक प्रकार का कोड है यह एटीएम पिन की ही तरह का चार अंको (कुछ बैंकों में 6 अंक) का होता है| जिस प्रकार एटीएम का इस्तेमाल करते समय आपको हर बार उसका पिन कोड डालना पड़ता है उसी प्रकार मोबाइल बैंकिंग, USSD बैंकिंग और UPI ऐप्स से लेनदेन करते समय आपको एमपिन डालना पड़ता है।आप इसे सिर्फ अपने मोबाइल से लेनदेन करते समय प्रयोग कर सकते हैं| यह आपके खाते सेमोबाइल बैंकिंग, USSD बैंकिंग और UPI से होने वाले लेनदेन को सुरक्षित बनाता है|

एमपिन क्यों जरुरी है?

बैंक से होने वाले लेनदेन के लिए दो स्तर की सुरक्षा होनी जरुरी होती है| जिस प्रकार आपको एटीएम से लेनदेन करते समय पहले स्तर की सुरक्षा आपका एटीएम और दूसरे स्तर की सुरक्षा आपका एटीएम पिन होता है| जब तक किसी के पास ये दोनों नहीं होंगे तब तक वह आपके खाते से लेनदेन नहीं कर सकता|

ठीक इसी प्रकार मोबाइल के द्वारा लेनदेन करते समय पहले स्तर की सुरक्षा आपका मोबाइल नंबर तथा दूसरे स्तर की सुरक्षा आपका MPIN होता है |इसके बिनाआप या कोई और आपके खाते से लेनदेन नहीं कर सकता है|

MPIN का प्रयोग

जैसा कि मैं पहले ही बता चुका हूँ कि एमपिन आपके मोबाइल से होने वाले लेनदेन में इस्तेमाल किया जाता है| यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण कोड है| नीचे दी गयी बैंकिंग सुविधाओं में इसका इस्तेमाल किया जाता है:

1. मोबाइल एप बैंकिंग
2. SMS बैंकिंग
3. USSD बैंकिंग
4. UPI ऐप्स
5. IMPS
6. IVR

MPIN कैसे प्राप्त करें या एमपिन कैसे बदलें

MPIN पाने के लिए आपको मोबाइल बैंकिंग के लिए रजिस्टर होना पड़ेगा | जब आप मोबाइल बैंकिंग के लिए रजिस्ट्रेशन करवाते हैं तो बैंक आपको यूजर आईडी के साथ आपका एमपिन देता है | आप अपना MPIN USSD और UPI ऐप्स के द्वारा भी बना सकते हैं | इसे USSD बैंकिंग और UPI ऐप्स के जरिए क्रिएट करना बिलकुल ही आसान है |

USSD से MPIN जेनरेट करना

1. अपने रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर से *99# डायल करें
2. अगली स्क्रीन पर अपने बैंक का तीन अक्षरों वाला नाम या IFSC के शुरुआती चार अक्षर या बैंक के संख्या कोड के शुरुआती दो अक्षर डालें और भेज दें |
3. अगली मेनू में 7 लिखें और फिर से भेज दें |
4. एमपिन जेनरेट करने के लिए 1 लिखें और भेजें
5. दिए गए निर्देशों के अनुसार MPIN जेनरेट करें

USSD से MPIN कैसे बदलें

1. अपने रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर से *99# डायल करें
2. अगली स्क्रीन पर अपने बैंक का तीन अक्षरों वाला नाम या IFSC के शुरुआती चार अक्षर या बैंक के संख्या कोड के शुरुआती दो अक्षर डालें और भेज दें |
3. अगली मेनू में 7 लिखें और फिर से भेज दें |

4. MPIN बदलने के लिए 2 लिखें और भेजें |
5. अगली स्क्रीन पर पुराना एमपिन, नया MPIN डालें, कन्फर्म करें और सबमिट कर दें|

SBI UPI apps का प्रयोग करके MPIN जेनरेट करें

1. SBI UPI app में लॉग इन करें |
2. Account Management में जाएँ |
3. जिस अकाउंट का एमपिन जेनरेट करना चाहते हों उसको चुनें |
4. Set MPIN आप्शन पर जाएँ |
5. वहां दिए गए निर्देशों के अनुसार एमपिन जेनरेट करें |

UPI ऐप्स का प्रयोग करके बदलें

1. SBI UPI app में लॉग इन करें |
2. 'Account Management' में जाएँ |
3. जिस अकाउंट का एमपिन बदलना चाहते हों उसको चुनें |
4. 'Change एमपिन' आप्शन पर जाएँ |
5. अपना पुराना MPIN, नया MPIN डालें, कन्फर्म करें और सबमिट कर दें |

मैंने आपको समझाने के लिए SBI UPI एप SBI Pay का प्रयोग किया है | लेकिन MPIN जेनरेट करने या बदलने की प्रक्रिया लगभग सभी UPI apps जैसे ICICI UPI app, HDFC UPI app और PNB UPI app में एक जैसी ही है |

एमपिन भूल जाने पर क्या करें?

अपना MPIN भूल जाने पर आपको कोई भी चिंता करने की जरुरत नहीं है । आप किसी भी समय एक नया एमपिन जेनरेट कर सकते हैं । आप नेट बैंकिंग, USSD बैंकिंग या फिर UPI apps का इस्तेमाल करके आसानी से नया MPIN बना सकते हैं । नेट बैंकिंगसे नया एमपिन जेनरेट करने की प्रक्रिया सभी बैंकों में अलग अलग हो सकती है लेकिन USSD और UPI ऐप्स की प्रक्रिया लगभग एक समान है ।

मिसकॉल करके कैसे पता करें बैंक बैलेंस

कुछ फोन नंबरजिस पर आप कॉल/Miscall देकर अपना बैंक अकाउंट बैलेंसजान सकते है| आपको यह मिस कॉल (Miss Call) अपने रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर (Registered Mobile Number) से ही करना होगा और अगर आपका मोबाइल नंबर रजिस्टर्ड नहीं है तो आप बैंक जाकर या SMS करके अपने मोबाइल नंबर को रजिस्टर्ड करवा सकते है|

1. Miscall देकर

पहला तरीका यह हैं कि आप प्रत्येक बैंक द्वारा जारी निम्न Toll Free Number पर Miscall देकर अपना Bank Account Details जान सकते हैं|

1. पंजाब नेशनल बैंक: 18001802222 or 01202490000
2. आईसीआईसीआईबैंक: 02230256767 or 02230256868
3. ऐक्सिस बैंक: 18004195959 or 18004196969
4. आंध्रा बैंक: 09223011300

5. बैंक ऑफ बड़ौदा:09223011311
6. एचडीएफसी बैंक: 18002703333 or 18002703355
7. स्टेट बैंक ऑफ़ बीकानेर एंड जयपुर: 09223766666 or 09223866666|
8. यस बैंक: 09840909000
9. स्टेट बैंक ऑफ इंडिया: 9223866666 or 09223866666|
10. यूनियन बैंक ऑफ इंडिया: 09223920000 or 09223921111
11. यूको बैंक: 09278792787
12. विजया बैंक: 18002665555 or 18002665556
13. आईडीबीआई बैंक: 18008431122 or 18008431133
14. इलाहाबाद बैंक: 09224150150
15. धनलक्ष्मी बैंक: 08067747700
16. बैंक ऑफ इंडिया: 09015135135
17. सिंडीकेट बैंक: 9664552255 or 08067006979
18. केनरा बैंक: 09015483483 or 09015734734
19. कोटक महींद्रा बैंक: 18002740110
20. भारतीय महिला बैंक: 09212438888
21. सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया: 09222250000
22. कर्नाटका बैंक: 18004251445 or 18004251446
23. इंडियन बैंक: 09289592895
24. NPCI *99# USSD द्वारा

दूसरा तरीका यह कि आप NPCI (National Payments Corporation of India) द्वारा जारी USSD *99# Mobile Banking Service का उपयोग कर सकते हैं|इसके तहत आपको NPCI द्वारा जारी आपके Bank के *99 से शुरू होने वाले नंबर Dial करने होंगे और उसके बाद आपके सामने Bank Balance, Mini Statement, Fund Transfer और Mobile Banking के विकल्प खुलेंगे|आपको आवश्यकता अनुसार सही विकल्प चुनना हैं और उसके बाद आपना Bank Account Details जान पाएंगे| इस सर्विस की ख़ास बात यह हैं कि इसके तहत आप बिना इन्टरनेट (Without Internet) के भी Mobile के द्वारा Fund Transfer जैसे कार्य आसानी से कर सकते हैं|

इस विकल्प के द्वारा बैलेंस जानने या मोबाइल बैंकिंग उपयोग करने के लिएकुछ महत्त्वपूर्ण विभिन्न बैंकों से सम्बंधित नम्बर (USSD Code) निम्नलिखित हैं:

- *99*41# – State Bank of India.
- *99*42# – Punjab National Bank.
- *99*43# – HDFC Bank.
- *99*44# – ICICI Bank.
- *99*45# – AXIS Bank.
- *99*46# – Canara Bank.
- *99*47# – Bank Of India.
- *99*48# – Bank of Baroda.
- *99*49# – IDBI Bank.
- *99*50# – Union Bank of India.
- *99*51# – Central Bank of India.
- *99*52# – India Overseas Bank.

- *99*53# – Oriental Bank of Commerce.
- *99*54# – Allahabad Bank.
- *99*55# – Syndicate Bank.
- *99*56# – UCO Bank.
- *99*57# – Corporation Bank.
- *99*58# – Indian Bank.
- *99*59# – Andhra Bank.
- *99*60# – State Bank Of Hyderabad.
- *99*61# – Bank of Maharashtra.
- *99*62# – State Bank of Patiala.
- *99*63# – United Bank of India.
- *99*64# – Vijaya Bank.
- *99*65# – Dena Bank.
- *99*66# – Yes Bank.
- *99*67# – State Bank of Travancore.
- *99*68# – Kotak Mahindra Bank.
- *99*69# – IndusInd Bank.
- *99*70# – State Bank of Bikaner and Jaipur.
- *99*71# – Punjab and Sind Bank.
- *99*72# – Federal Bank.
- *99*73# – State Bank of Mysore.
- *99*74# – South Indian Bank.
- *99*75# – KarurVysya Bank.
- *99*76# – Karnataka Bank.
- *99*77# – Tamilnad Mercantile Bank.
- *99*78# – DCB Bank.
- *99*79# – Ratnakar Bank.
- *99*80# – Nainital Bank.
- *99*81# – JanataSahakari Bank.
- *99*82# – Mehsana Urban Co-Operative Bank.
- *99*83# – NKGSB Bank.
- *99*84# – Saraswat Bank.
- *99*85# – ApnaSahakari Bank.
- *99*86# – BhartiyaMahila Bank.
- *99*87# – Abhyudaya Co-Operative Bank.
- *99*88# – Punjab & Maharashtra Co-operative Bank.
- *99*89# – Hasti Co-Operative Bank.
- *99*90# – Gujarat State Cooperative Bank
- *99*91# – Kalupur Commercial Co-Operative Bank.

मोबाइल बैंकिंगकी सावधानियां

1. **स्ट्रॉन्ग पासवर्ड और ऑटोलॉक- अगर आप मोबाइल बैंकिंग यूज कर रहे हैं तो पहला सेफ्टी प्रीकॉशन तो आपकी डिवाइस का ऑटोलॉक होना है। इसके बाद उसके लॉक होने के लिए कम से कम 8 कैरेक्टर का पासवर्ड सेलेक्ट करें। पासवर्ड बनाते समय ध्यान रखें कि उसमें एल्फाबेट और न्यूमेरिकल्स दोनों रहें।**
2. **कॉन्फिडेंशियल इंफॉर्मेशन को फोन से दूर रखें- ध्यान रहे कि किसी भी हालत में आपकी बैंकिंग से जुड़ी कोई भी कॉन्फिडेंशियल इंफॉर्मेशन जैसे-अकाउंट नंबर, यूजर नेम, बैंकिंग पासवर्ड, आइडेंटिटी कार्ड या कुछ और भी अपने मोबाइल में न तो नोट करके रखें और न ही रिकॉर्ड करके।**

3. पासवर्ड और पिन कभी किसी से शेयर मत करें- बैंकिंग एक्सपर्ट स्ट्रॉन्गली एडवाइस देते हैं कि किसी भी हालत में अपना बैंकिंग पासवर्ड, मोबाइल पासवर्ड और पिन कभी किसी से शेयर मत करें। कई बार नकली बैंक अधिकारी बनकर फ्रॉड्स लोगों से उनके अकाउंट रिलेटेड इंफॉर्मेशन मांगते हैं जबकि बैंक ये साफ कहते हैं कि उनके द्वारा किसी भी तरह की जानकारी फोन पर नहीं मांगी जाती।
4. लॉग-ऑफ जरूर करें-मोबाइल बैंकिंग यूज करते समय जब भी आपका काम खत्म हो जाए तो ध्यान रखें कि लॉग-ऑफ करके ही उस सेशन को खत्म करें।
5. फ्री नेट के लालच में पड़े तो कट सकती है जेब-आमतौर पर आजकल पब्लिक प्लेस जैसे रेलवे स्टेशन, मेट्रो या कैफे में मुफ्त में वाई-फाई की फैसिलिटी मिलती है। कभी भूलकर भी इन फ्री नेट का इस्तेमाल मोबाइल बैंकिंग के लिए न करें। इससे आपकी कॉन्फिडेंशियल इंफॉर्मेशन एक्सेस होने क खतरा बना रहता है क्योंकि उस नेटवर्क के अंडर आने पर आप उसके सर्विलांस एरिया में होते हैं।
6. ऑफिशियल एप का ही इस्तेमाल करें- मोबाइल बैंकिंग के लिए अपने बैंक के ऑफिशियल एप का ही इस्तेमाल करें। गलती से भी गलत एप आपके फोन पर मालवेयर अटैक को इन्वाइट कर सकता है। जाहिर है बैंकों के ऑफिशियल एप स्टोर के अलावा और कहीं से एप डाउनलोड न करें।
7. सोशल मीडिया को लेकर खास अलर्ट- अगर आप एक ही डिवाइस के जरिए मोबाइल बैंकिंग और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स से जुड़े हैं तो आपको खास सावधानी बरतने की जरूरत है। गलती से किसी ऐसे पेज पर क्लिक न करें जो आपको अनजान लोकेशन पर डायवर्ट करे। ऐसा करने से आपके फोन में मालवेयर्स की एंट्री हो सकती है।
8. स्क्रीन अनलॉक सिस्टम होअच्छा- आप अपने फोन या डिवाइस को लॉक करने के लिए स्क्रीन अनलॉक का इस्तेमाल करें। एक्सपर्ट इसे सेफ बताते हैं।
9. ब्राउजिंग हिस्ट्री डिलीट करते रहें-आमतौर पर हम कभी ब्राउजिंग हिस्ट्री पर ध्यान ही नहीं देते लेकिन मोबाइल बैंकिंग के इस्तेमाल में इसका खास ध्यान रखना पड़ेगा। आपका ट्रांजैक्शन सेफ बना रहे इसके लिए जरूरी है कि आप ब्राउजिंग हिस्ट्री हर बार डिलीट करें।
10. फोन बेचें तो रीसेट जरूर करें-आप जिस मोबाइल से बैंकिंग फैसलिटी यूज कर रहे हैं, उसे बेचते समय फोन को रीसेट जरूर करें। फैक्ट्री डाटा रीसेट कर देने से फोन और उसकी हिस्ट्री में बची सारी चीजें हमेशा के लिए डिलीट हो जाती हैं।

मोबाइल बैंकिंग के लिए खास सुझाव

मोबाइल बैंकिंग ऐप में एक्सेस करने के लिए एक पासवर्ड या नंबर वाले पिन की जरूरत होगी। सुनिश्चित कर लें कि बेहद आसान पासवर्ड जैसे अपना, अपने बच्चे या पति-पत्नी का नाम या फिक अपनी जन्मतिथि को पासवर्ड के तौर पर इस्तेमाल ना करें। सुरक्षा को तोड़ने के लिहाज़ से ये बेहद आसान पासवर्ड होते हैं। और एक बात याद रखें कि पासवर्ड को थोड़े-थोड़े समय पर बदलते रहें।

- अपनी निज़ी जानकारी किसी के साथ कभी साझा ना करें। जैसे अपना पिन, पासवर्ड या सिक्योरिटी सवाल अपने फोन में कभी स्टोर ना करें और ना ही किसी को बताएं।

- **अपने फोन को पासवर्ड के साथ लॉक रखें ताकि फोन खो जाने और चोरी होने की स्थिति में कोई और आपकी जानकारी एक्सेस ना कर सके। अपने बैंकिंग रिकॉर्ड और अकाउंट को लगातार जांचते रहें।**
- **फोन खो जाने की सूचना अपने वायरलेस प्रोवाइडर को दें ताकि सभी बड़े वायरलेस सर्विस प्रोवाइडर आपके फोन को पूरी तरह से बंद कर दें। जिससे आपकी अनुमति के बिना आपका फोन हर सर्विस नेटवर्क के लिए बंद हो जाता है।**
- **ईमेल इस्तेमाल करते समय मोबाइल बैंकिंग में बरतें सावधानी अगर आप अपने क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने की सोच रहे हैं या आपका बैलेंस कम होता है तो आपको ईमेल मिलते हैं। सुरक्षित मोबाइल बैंकिंग के लिए कभी भी ईमेल के जरिए निज़ी जानकारी साझा ना करें। अगल कोई आपको ईमेल कर आपसे इस तरह की जानकारी मांगता है तो समझ जाइये ये खतरे की घंटी है। क्योंकि बैंक कभी भी इस तरह की निज़ी जानकारी ईमेल के जरिए नहीं पूछता।**

परिशिष्ट (References):

1. Internet Search,https://www.sbi.co.in/mobile-banking
2. https://www.unionbankofindia.co.in
3. SearchMobile Banking Matter in, https://www.hdfcbank.com
4. Internet Search Matter in Mobile Banking, https://rbidocs.rbi.org.in
5. mobile banking matter search and study Reserve Bank of India approved mobile banking services in Indian banks **(बैंक ऑफ इंडिया, बैंक ऑफ बड़ौदा, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स, इलाहाबाद बैंक, सिंडिकेट बैंक, भारतीय महिला बैंक etc,)**
6. Mobile Opportunities and Applications for E-Service Innovations in mobile banking, https://books.google.co.in/books
7. Trends, Challenges & Innovations in Management - Volume III, Dr Ramesh Kumar Miryala
8. **पत्र-पत्रिकाएं; जागरण जोश, एडरिस्टी करंट अफेयर्स, द मेगा वार्षिकांक, समसामयिक घटनाचक्र, प्रतियोगिता दर्पण इंडियन इकोनॉमिक्स वार्षिकांक और डेली पॉपुलर न्यूज़पेपर।**

❑❑❑